अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2023

परीक्षा का नाम : अलंकार पूर्ण (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : तबला-पखावज

दि. 19/11/2023 समय : 3 घंटे (दोपहर 2 से 5) कुल अंक : 100

सूचना : 1) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
2) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्र.1. अ) निम्नलिखित में से उचित पर्याय चुने। **(10)**

1. ग्वाल्हेर घरानेमे बडाख्याल जादातर इस ताल मे गाया जाता है।
   अ) आडाचौताल ब) झुमरा
   क) एकताल ड) तिलवाडा
2. पं.भीमसेन जोशी इस घराने के गायक है।
   अ) मेवाती ब) किराना
   क) आग्रा ड) जयपूर
3. पं.बालगंधर्वजी के साथ मराठी नाटक के लिए यह कलाकार तबले पर संगत करते थे।
   अ) पं.सामता प्रसाद ब) उ.अहमदजान थिरकवाँ
   क) पं.कंठेमहाराज ड) उ.हबीबुद्धीन खाँ
4. कमाली चक्रदार में दुसरे पल्ले में इस नंबर का 'धा' समपे आता है।
   अ) 13 ब) 14
   क) 15 ड) 16
5. निम्नलिखित में से यह कलाकार 'टप्पा' गायन के लिए मशहूर है।
   अ) पं.कुमार गंधर्व ब) पं.गंगुबाई हंगल
   क) पं.मालीनी राजुरकर ड) पं.शोभा गुर्टु
6. निम्नलिखित मे से यह कला है।
   अ) सभा ब) विक्षेप
   क) ध्रुवा ड) विक्षिप्ता

प्र.2. पेशकार, कायदा तथा रेला इन रचनाओंपर विस्तृत तौलनिक भाष्य करे। पखावज के विद्यार्थी परन तथा उसके प्रकारोपर विस्तृत भाष्य करे। (20)

प्र.3. गायन-वादन तथा नृत्य इन तीनो विधाओंके लिए आदर्श संगतकार बनने के लिए आवश्यक गुणोंका विस्तृत वर्णन करें। (20)

प्र.4. सोदाहरण परिभाषा लिखे। (कोई 4) (5x4=20)

1. गत
2. स्तुतीपरण
3. लडी
4. उठान
5. ठेका-प्रस्तार

प्र.5. दमदार तिहाई, बेदम तिहाई, चक्रदार तिहाई और फरमाईशी चक्रदार यह संकल्पना समझाकर कोई एक ताल इन सभी के उदाहरण लिपीबद्ध करे। (20)

प्र.6. भाषा तथा साहित्य / रचना इन दो मुद्दों के आधारपर तबला तथा पखावज मे तुलना करे। (20)

प्र.7. निम्नलिखित कलाकारोंका सांगितीक योगदान स्पष्ट करे। (कोई चार) (5x4=20)

1. पं.मन्नूजी मृदंगाचार्य
2. उ.सिध्दार खाँ
3. पं.जानकी प्रसाद
4. पं.दत्तोपंत मंगळवेढेकर
5. पं.रामसहाय
6. उ.मोदू खाँ
7. पं.अंबादासपंत आगळे
8. उ.बक्षू खाँ

7. निम्नलिखित मे से यह नि:शब्द क्रिया है।

अ) सर्पिणी ब) पतिता

क) प्रवेश ड) शम्या

8. निम्नलिखित मे से यह सशब्द कला है।

अ) ध्रुवा ब) पतीता

क) विक्षेप ड) कृष्णा

9. अ.भा.गां.म.वि.मंडळ कि स्थापना इस साल हो गयी।

अ) 1903 ब) 1905

क) 1901 ड) 1902

10. 'चिल्ला' कि अवधी इतने दिन तक होती है।

अ) 39 ब) 40

क) 30 ड) दो माह

ब) रिक्त स्थानों की पूर्ती करे। **(5)**

1. रुद्र कि कुआड एक बार लिखकर सम पर आने के लिए ------- मात्राएँ लगती है।
2. झपताल ---------- पदी ताल है।
3. धमार ---------- पदी ताल है।
4. एकताल ---------- पदी ताल है।
5. रुपक ---------- पदी ताल है।

क) जोडियाँ मिलाए। **(5)**

1. धमार	1. होरी
2. आडाचौताल	2. तीनताल
3. झुमरा	3. तराना
4. अध्धा	4. टप्पा
5. तिलवाडा	5. खयाल
	6. अर्धसमपदी